13 Oct 2024 M4U:Layout 1 12-Oct-24 11:10 PM Page 1

दैनिक

जनता की आवाज

मीडिया फॉर यू

प्रकाशन के 09 वर्ष

RNI: UPHIN/2015/65169

रविवार 13 अक्टूबर 2024

वर्ष: 09, अंक: 261

पृष्ठ: 04 मूल्य: 02 रुपया

गाजियाबाद से प्रकाशित हापुड़ ❖ मेरठ ❖ शामली ❖ मुजफ्फरनगर ❖ बागपत ❖ सहारनपुर ❖ बिजनौर ❖ दिल्ली एनसीआर में प्रसारित

Email:- m4unews@gmail.com 8445657566

महाराणा प्रताप सेवा सदन पर... 4

विजयदशमी के अवसर पर सीएम योगी बोले, संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे; हमारा हर काम होना चाहिए देश के नाम

गोरखपुर एजेंसी। सीएम योगी शनिवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठित न रहने के कारण ही गुलामी के अलग-अलग कालखंड में कभी काशी में विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में राम मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को अपवित्र करने दुस्साहस आक्रांताओं ने किया। हम परतंत्र होंगे तो फिर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता सिर्फ राजनीतिक ही नहीं होती। बल्कि वह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वाहक भी होती है। इसलिए हमें संगठित होकर स्वतंत्रता दिलाने वाले अनेकानेक बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित रहने के लिए, संगठन की ताकत दिखाने के लिए आवश्यक है कि हम जाति, मत, संप्रदाय, भाषा, छुआछूत जैसे भेदभाव से दूर रहें। इसी संदेश से लोगों को जोड़ने के लिए अयोध्या में जहां 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तो वहीं श्रीराम की कथा को देने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया है। अयोध्या में रसोईगृह माता शबरी के नाम पर बनी है तो यात्री विश्रामालय भगवान राम के अभिन्न सखा निषादराज के नाम पर। यह सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा का निर्माण सरकार करवा चुकी है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ का आयोजन भी विरासत के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन होगा।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कहीं अन्य जगह जब सभ्यता का नामोनिशान नहीं था तब भारत में सभ्य सनातन समाज अस्तित्व में था। सनातन

समाज कभी विपन्न नहीं रहा। वह बुद्धि और वैभव में सदैव अग्रणी रहा। साजिश के तहत क्षेत्र, जाति, भाषा, मत आदि के नाम पर मध्यकाल में उसे विभाजित किया गया जिसके विषाणु आज भी यत्र-तत्र बिखरे पड़े हैं। इन विषाणुओं को हमें कतई पनपने नहीं देना है। सीएम ने कहा कि हमें संगठित होकर सकारात्मक दिशा में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से जुड़ना है। व्यक्तिगत स्वार्थ कभी भी राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। हमारा हर काम देश के नाम होना चाहिए। अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हुआ आंदोलन भी इसी की प्रेरणा देता है।

राम मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनके पूज्य गुरुदेव का आखिरी सपना मंदिर निर्माण को साकार होते देखना था। उनके जीवन के अंतिम क्षणों में जब विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल जी उनसे मिलने आए तब उन्होंने उनसे यही कहा था, अशोक जी राम मंदिर निर्माण कब तक हो पाएगा। एक बार मंदिर निर्माण देख लेते तो जन्म धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब राम मंदिर बन गया है तो उनके गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज समेत अनगिनत संतो को तसल्ली हो रही होगी। सीएम योगी ने कहा कि विरासत के संरक्षण और विकास की यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ी है। देश और दुनिया में रहने वाले सनातनियों, भारतीयों को इस पर गर्व होता है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले कौन मानता था कि अयोध्या में जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो पाएगा। तब हमारे जैसे कुछ सनातनी ही दृढ़ विश्वास से कहते थे कि श्रीराम मंदिर अवश्य बनेगा। और, आज मंदिर निर्माण का संकल्प साकार हो गया है। काशी में भव्य विश्वनाथ धाम की परिकल्पना साकार हो गई है।

विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी धाम का भव्य स्वरूप साकार हो रहा है। चित्रकूट रामराज्य की परिकल्पना के साकार होने का साक्षी बन रहा है। पांच हजार वर्ष पूर्व जिस शुक्रतीर्थ में पहली बार भगवत कथा हुई थी, उसका गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है। नैमिषारण्य को पौराणिक और वैदिक काल के स्वरूप से नई काया में प्रस्तुत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मानसरोवर मंदिर के पास जहां यह रामलीला हो रही है वहां मंदिर के दर्शन कम भैंस के दर्शन अधिक होते थे। जबकि आज यूपी में मानसरोवर मंदिर सहित एक हजार से अधिक स्थानों का पुनरोद्धार हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विजयादशमी के पावन पर्व पर हम अपनी हजारों वर्ष की विरासत को अपने इष्ट के श्रीचरणों में समर्पित कर राज्याभिषेक के रूप में मनाते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने जब अधर्म, असत्य, अन्याय और अत्याचार के पर्याय रावण का वध किया होगा तो संभवतः इसी तरह सायंकाल रहा होगा।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा के जाजपुर में चोरों ने देवी दुर्गा के 10 लाख रुपये से अधिक के आभूषण चोरी किए

जाजपुर एजेंसी। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक दुर्गा पूजा पंडाल से चोरों ने करीब 10 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कोरेई थाना क्षेत्र के बरुदेई मंदिर में शनिवार तड़के यह घटना हुई।

पुलिस के अनुसार, जब पुजारी और पूजा समिति के सदस्य तड़के करीब तीन बजे मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि आभूषण गायब थे और मंदिर का मुख्य द्वार खुला हुआ था। कोरेई पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे की चोरी हुई। शिकायत के अनुसार, चोरों ने देवी दुर्गा और अन्य देवताओं के मुकुट, हार, त्रिशूल, झुमके जैसे सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए हैं। पुलिस ने इस घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी और चोरी के बाद फिलहाल अनुष्ठान रोक दिया गया है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने 200 नए पीजीटी पदों को मंजूरी दी

नई दिल्ली एजेंसी। उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शनिवार को स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) के लिए 200 अतिरिक्त पदों के सृजन को मंजूरी दे दी। राज निवास द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर निर्धारित ये पद दिल्ली के शिक्षा निदेशालय के तहत सरकारी स्कूलों में नियमित आधार पर भरे जाएंगे और वेतन मैट्रिक्स स्तर 8 (47,600 रुपये - 1,51,100 रुपये) के मुताबिक होंगे।

उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार इस निर्णय का उद्देश्य गैर-स्थायी पदों से जुड़े पक्षपात, भ्रष्टाचार, आरक्षण मानदंडों के उल्लंघन और कर्मचारी उत्पीड़न जैसे मुद्दों को कम करना है। सक्सेना ने समय पर डीएसएसएसबी द्वारा आयोजित परीक्षाओं के माध्यम से दिल्ली के सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों को स्थायी रूप से भरने के महत्व पर भी जोर दिया है।

खेत में अजगर निकलने से मचा हड़कंप, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

खेत की कटाई के दौरान एक विशाल अजगर निकला, जिसे देखने वालों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को सकुशल पकड़ते हुए उसे जंगलों में छोड़ दिया। वन अधिकारी मुकेश कांडपाल ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि धौलाना में करनपुर रोड पर स्थित प्रेम गैस एजेंसी के गोदाम के पास एक खेत में धान की फसल की कटाई के समय एक 15 फीट अजगर देखा गया है । तुरंत ही वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़कर उसे गढ़मुक्तेश्वर की तरफ जंगल में छोड़ दिया।

नीतीश से राजग से अलग होने की अपील करने के लिए ललन ने साधा अखिलेश पर निशाना

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भाजपा नीत राजग सरकार से समर्थन वापस लेने की अपील करने के लिए शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा।

जनता दल(यूनाइटेड) के अध्यक्ष ललन ने कांग्रेस से गठबंधन के लिए भी यादव पर निशाना साधा और कहा कि उनके दिवंगत पिता मुलायम सिंह यादव ने इसी पार्टी का विरोध करके राजनीति में कदम जमाए थे।

ललन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव के शुक्रवार को दिए गए बयान के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर दिग्गज समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देने से रोकने का आरोप लगाया था।

ललन से जब यादव की नीतीश से अपील के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,अखिलेश कौन हैं? नीतीश ने आपातकाल से पहले 1974 में जेपी आंदोलन के दौरान अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की थी।

केंद्रीय पंचायत राज मंत्री ललन ने कहा, नेताजी (मुलायम का उपनाम) की आत्मा कराह रही होगी। आप (अखिलेश) उन लोगों की गोद में बैठे हैं, जिनके खिलाफ उन्होंने 1974 में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

ललन का इशारा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ सपा के गठबंधन की ओर था।गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके कारण भाजपा बहुमत से चूक गई थी।

शस्त्र पूजा स्पष्ट संकेत है कि जरूरत पड़ने पर पूरी ताकत से हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा: राजनाथ सिंह

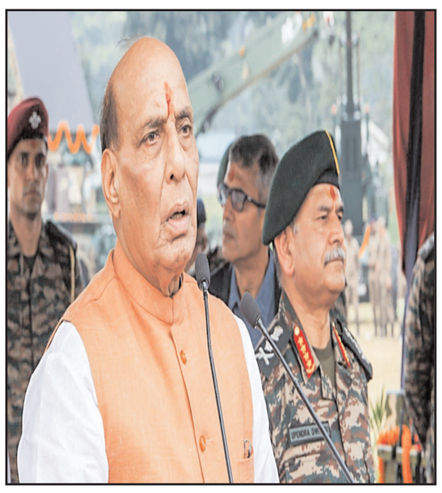

नई दिल्ली एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर घृणा या द्वेष के कारण आक्रमण नहीं किया, लेकिन अगर इसके हितों को खतरा हुआ तो हम बड़ा कदम उठाने में संकोच नहीं करेंगे। विजयादशमी के अवसर पर सिंह ने पश्चिम बंगाल के सुकना सैन्य स्टेशन पर शस्त्र पूजा की और कहा कि यह अनुष्ठान एक स्पष्ट संकेत है कि यदि आवश्यकता हुई तो हथियारों व उपकरणों का पूरी ताकत से उपयोग किया जाएगा। सुकना स्थित 33 कोर को त्रिशक्ति कोर के नाम से जाना जाता है। यह सिक्किम सेक्टर में चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में सिंह के हवाले से कहा, भारत ने कभी भी किसी देश पर घृणा या बुरी नीयत से हमला नहीं किया। हम तभी लड़ते हैं जब कोई हमारी अखंडता और संप्रभुता का अपमान करता है या उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है; जब धर्म, सत्य और मानवीय मूल्यों के विरूद्ध युद्ध छेड़ा जाता है, यही हमें विरासत में मिला है। हम इस विरासत को संरक्षित करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि, यदि हमारे हितों को खतरा है तो हम बड़ा कदम उठाने में संकोच नहीं करेंगे। शस्त्र पूजा एक स्पष्ट संकेत है कि अगर आवश्यकता हुई तो हथियारों, उपकरणों का पूरी ताकत से उपयोग किया जाएगा। इससे पहले रक्षा मंत्री ने एक्स पर इस अनुष्ठान की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत में विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन की बड़ी पुरानी परंपरा रही है। आज सुकना, दार्जिलिंग में 33 कोर हेडक्वार्टरस में की शस्त्र पूजा। विजया दशमी नवरात्र के समापन का प्रतीक है और इसे दशहरा के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना में यह महत्वपूर्ण समारोह - शस्त्र पूजा - राष्ट्र की संप्रभुता के रक्षक के रूप में हथियारों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, मनोनीत रक्षा सचिव श्री आरके सिंह, पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राम चंद्र तिवारी, सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन, त्रिशक्ति कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए मिनवाला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने कलश पूजा के साथ अनुष्ठान की शुरूआत की, जिसके बाद शस्त्र पूजा और वाहन पूजा की गई। सिंह ने सुकना सैन्य स्टेशन पर सैनिकों से भी बातचीत की। बयान में कहा गया है, शक्ति, सफलता और सुरक्षा के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए किए जाने वाले अनुष्ठान दशहरा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है। ये देश की सुरक्षा में हथियार प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं।

कोलकाता में चिकित्सक से बलात्कार व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पतन का परिणाम: भागवत

एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक कनिष्ठ चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या की घटना पर परदा डालने के प्रयासों की शनिवार को निंदा की।

भागवत ने नागपुर में वार्षिक विजया दशमी उत्सव में आरएसएस कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पतन और भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। उन्होंने

भारत की पुरानी परंपराओं का हवाला देते हुए कहा, जब द्रौपदी के चीर को छुआ गया तो महाभारत हुआ और जब सीता का अपहरण हुआ तो रामायण हुई। भागवत ने कहा, कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में जो हुआ वह एक शर्मनाक घटना है और हम सभी का अपमान है। आरएसएस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस घटना को छुपाने और अपराधियों को बचाने की कोशिश की गई। भागवत ने कहा, अपराध, राजनीति और जहरीली संस्कृति का गठजोड़ हमें बर्बाद कर रहा है।

दशहरा मैदान में श्री रामलीला ट्रस्ट द्वारा 40 फुट ऊंचे रावण के पुतले के दहन का आयोजन किया गया

मीडिया फॉर यू

जलालाबाद(शामली)। काजी शाहिद अहमद

कस्बे के दशहरा मैदान में श्री रामलीला ट्रस्ट द्वारा रावण के पुतले के दहन का आयोजन किया गया। इस वर्ष चालीस फुट ऊंचाई का रावण व लंका का पुतला स्थापित किया गया था।

शनिवार को दोपहर बाद श्री रामलीला ट्रस्ट के लाला बृजमोहन सिंघल, पप्पू सैनी, रामलीला कमेटी से सुनहरा कोरी, जनेश्वर सैनी, निर्देशक राजकुमार रूहेला, देवराज जुनेजा ने श्रीराम-रावण युद्ध के आयोजन का शुभारंभ कराया। तथा घंटो तक दशहरा मैदान में राम- रावण व उनकी सेनाओं

के बीच युद्ध का मंचन चलता रहा। दशहरा मैदान में दोनों के बीच रोमांचक युद्ध को देखने के लिए कस्बे व आसपास गांव के ग्रामीण हजारों की संख्या में पहुंचे थे। विभीषण ने अंत में श्री राम को बताया की रावण की नाभि में तीर मारने से इसका अंत हो सकेगा। सूर्यास्त होने से पूर्व श्री राम ने रावण के पुतले में तीर मारा, रावण का पुतला धूं-धूं जल उठा, साथ में लंका दहन हो गई। पटाखों की आवाज से दशहरा मैदान गूंज उठा। असत्य पर सत्य की जीत को देखने के लिए हजारों की भीड़ मौजूद रही। जिसने दशहरा मैदान श्री राम के जयकारों से गुंजा दिया। अंत में रावण की बांस की अस्थियों को ले जाने के लिए दर्शकों के बीच रस्सा कशी युद्ध चलता रहा। स्थिति नियंत्रण करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल सजग व मुस्तैद रहा। बता दें की रावण की बांस की अस्थियां घर में पूरे वर्ष रखना शुभ माना जाता है। इसलिए प्रतिवर्ष यह परंपरा, यहां पर आयोजित होती है। पंचवटी में बैठी सीता को लेने के लिए श्री राम-लक्ष्मण-हनुमान पहुंचे। यहां पर आरती उतार कर कार्यक्रम का समापन किया गया। वहीं चौदस तक श्री दुर्गा देवी मंदिर कमेटी द्वारा प्रतिवर्ष की तरह मेला आयोजित कराया जाएगा

13 Oct 2024 M4U:Layout 1 12-Oct-24 11:10 PM Page 2

सम्पादकीय

महंगाई की चिंता

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिले। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्ष का मौन

बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद देश के अंदर हिंदुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश से आ रही रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिंदुओं को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा है। मोदी सरकार पूरे मामले में पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों पर एक शब्द न बोलना कई प्रश्न खड़े करता है।

बांग्लादेश में एक हिंदू संगठन ने दावा किया है कि शेख हसीना के हटने के बाद से सैकड़ों हिंदू घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमले किए गए। बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी में करीब 8 फीसदी हिंदू हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी जाती है। इसके उलट विपक्षी गठबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी शामिल है।

बांग्लादेश के 27 जिलों में घरों में घुसकर हिंदुओं के साथ मारपीट की जा रही है। हिंदुओं के घरों में आग लगाई जा रही और उनकी दुकानें लूटी जा रही है। हिंदुओं का बेरहमी से कत्लेआम हो रहा है। मंदिरों को आग के हवाले किया जा रहा है। हिंसा की आग में जल रहे बांग्लादेश में जगह-जगह धुआं उठ रहा है। हिंदुओं की बस्तियों में चीख-पुकार मची है। पूरे देश में दंगाइयों ने आतंक का तांडव मचा दिया है। दंगाइयों ने बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन मंदिर को फूंक दिया। एक काली मंदिर में भी तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी।

हिंदुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं के बाद भी विपक्ष ने बेशर्मी का चोला धारण कर रखा है। इंडी गठबंधन के किसी एक भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमले की खुलकर निंदा नहीं की। उलटे इन राजनीतिक दलों के समर्थक और सोशल मीडिया की टीमें ऐसे संदेश लगातार प्रसासित और प्रचारित कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें फर्जी हैं। ऐसी खबरें तो देश की जनता को भड़काने के लिए स्वयं हिंदूवादी संगठन फैला रहे हैं। बेशर्मी की हद तक इनकी राजनीति गिर चुकी है। वहीं बांग्लादेश में तखता पलट की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज की बाढ़ सी आ गई, जिसमें धमकी भरे अंदाज में समझाया गया कि 'देश की जनता तानाशाह का तख्तापलट कर देती हैं। डरा नहीं रहा हूं, बस बता रहा हूं।' इस पूरे मामले में देश की सबसे पुराने और सबसे ज्यादा शासन करने वाले दल कांग्रेस की चुप्पी हैरानी से ज्यादा चिंता का विषय है। 2024 के चुनाव में जिस तरह कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी,उससे आने वाले समय में हिंदुओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने यहां तक कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर एक शब्द बोला और सोशल मीडिया पर लिखा नहीं। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दल और नेता हिंदुओं से जुड़े हर मुद्दे पर प्रायः चुप्पी साध लेते हैं। बांग्लादेश में जो भीड़ अत्याचार कर रही है, वो मुस्लिम है। उनके निशाने पर हिंदू जनता और उनके मंदिर, दुकान और घर हैं। बावजूद इसके बड़ी बेशर्मी से ऐसे दलों के चेहते पत्रकार, यू टयूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मुस्लिम आर्तकियों, दहशतगर्दों और हिंसक भीड़ का समर्थन करते दिखाई देते हैं। इन आर्तकियों, उपद्रवियों और गिरी मानसिकता वाली भीड़ को आंदोलनकारी साबित करने में जुटे हैं। वैसे भी इनके लिए आतंकी साहब, मासूम और राह भटके हुए युवा ही होते हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी दशकों से हिंदू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न जारी है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में हिंदू आबादी में तेजी से कमी आई है। 1971 में 22 प्रतिशत से घटकर 2022 में हिंदू आबादी 7.9 प्रतिशत हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बलात्कार, हत्या, हिंदू धार्मिक संस्थानों पर हमले, जमीन हड़पना, जबरन मतांतरण एक सामान्य घटना बन गई थी। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो वर्ष 2022 में बांग्लादेश में इस्लामवादियों द्वारा 154 हिंदू लोगों की हत्या कर दी गई और 424 हिंदू लोगों को इस्लामिक बदमाशों द्वारा मारने का प्रयास किया गया। इसी अवधि के दौरान 849 लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई और उन हमलों में 360 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से 62 लोग अब भी लापता हैं।

इसी साल बांग्लादेश में 39 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और 27 हिंदू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। 17 हिंदू महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई और 55 अन्य महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार करने का प्रयास किया गया। बांग्लादेश में 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के दौरान 152 हिंदू महिलाओं को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। बात वर्ष 2021 की करें तो इस वर्ष भी बांग्लादेश में 46 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, और 411 से अधिक हिंदू महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई। 32 हिंदू लोगों को कट्टरपंथियों द्वारा गोमांस खाने के लिए मजबूर किया गया और उसी वर्ष 252 हिंदुओं को मार दिया गया।

बांग्लादेश हो या फिर पाकिस्तान कहीं भी हिंदुओं के साथ अत्याचार, उत्पीड़न, बलात्कार, धर्मांतरण, मंदिरों पर हमले और लूटपाट की किसी भी घटना पर विपक्ष की जुबान बंद ही रहती है। मुस्लिम व्यक्ति का नाम अपराधी, आतंकी और उपद्रवी के तौर पर सामने आते ही कांग्रेस समेत मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं को सांप सूंघ जाता है।

इन नेताओं के आंसू गाजा में हो रहे हमलों और अत्याचार पर तो निकलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार पर इनके मुंह से हमदर्दी के दो शब्द नहीं निकलते। यही इनका दोगलापन और दोहरा व्यवहार है, जिसे ये गंगा जमुनी तहजीब और फर्जी सेक्युलरिज्म की आड़ में छुपाते हैं। पिछले कई सालों से देश में कई दलों के नेताओं ने सनातन धर्म का अपमान, हिंदुओं के आराध्यों के बारे में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी और बयान दिये हैं। लेकिन किसी भी मुद्दे पर इंडी गठबंधन ने ऐसे नेताओं की निंदा नहीं की। राजनीतिक दलों ने ये उनका व्यक्तिगत बयान है कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिल में हिंदुओं के प्रति कितनी नफरत भरी है, यह एक नहीं, कई बार उजागर हुआ है। यह तुष्टिकरण की राजनीति की पराकाष्ठा ही है कि वे हिंदुओं के लिए बार-बार अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें भला-बुरा कहते हैं और हिंसक बताते हैं। यहां तक कि हिंदू देवी-देवताओं का अपमान तक करते हैं। पहले राहुल गांधी ने शक्ति का संहार करने की बात कही थी और अब धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती जिस कमल पर विराजती हैं, उसके बारे में ही संसद में अनाप-शनाप बोला। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अपने पूर्वी पड़ोसी मित्र देश बांग्लादेश में उपद्रव और राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए नई चुनौती बन गया है। वहीं विपक्ष की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी चिंता का गंभीर विषय है। देश की जनता को ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं को समर्थन और वोट देने से पहले ये विचार करना चाहिए कि ये नेता सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। इतिहास साक्षी है कि ऐसे लोग किसी के सगे नहीं होते। सत्ता के लिए ये किसी भी विचारधारा के साथ खड़े हो सकते हैं। इनके लिए मानवता, संवेदना, अपनापन, भाईचारा और भावकुता सब राजनीतिक नफे नुकसान के हिसाब से तय और प्रदर्शित होता है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कॉमरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य का जाना, जैसे हो गया मन का एक कोना सूना!

(टिप्पणी : संजय पराते)

मन के इतिहास का एक कोना खाली हो गया और कविता की किताब का एक पन्ना फट गया। कॉमरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य का आज सुबह इस दुनिया को अलविदा कहना कुछ इसी तरह की बात है। उनका जाना केवल वामपंथ और माकपा के लिए ही क्षति नहीं है, उन सबके लिए क्षति है, जो मार्क्सबाद, सिनेमा और साहित्य को मानव सभ्यता की धरोहर समझते है और इसकी रोशनी से आलोकित होते हुए एक बेहतर और वैज्ञानिक दृष्टि संपन्न समाज के निर्माण की लड़ाई लड़ रहे हैं। जो विज्ञान को थोड़ा-बहुत समझते-बूझते हैं, वे जानते हैं कि जैसे ज्ञान-विज्ञान का कोई अंत नहीं है, वैसे ही मानव सभ्यता को गढ़ने और उसे और बेहतर बनाने का संघर्ष भी अंतहीन है। बुद्धदेव भट्टाचार्य का पांच दशकों तक फैला सार्वजनिक जीवन इसी संघर्ष का हिस्सा था। एक साधारण शिक्षक से मेहनतकश वर्ग के असाधारण राजनेता के रूप में उनका विकास हुआ, जिसमें उन्होंने चकाचौंध की जगह शीतल रोशनी ही बिखेरी थी। वे एक दीया थे, जिसका टिमटिमाते हुए लुप्त होना अनिवार्य था। अपनी पार्थिव देह को त्यागकर वे एक अनंत यात्रा पर आज सुबह चले गए।

बंगाल के सुप्रसिद्ध कवि, जिनका अल्प वय में ही निधन हो गया था, सुकांत भट्टाचार्य के वे चाचा थे। उनके दादा पुरोहिती से जुड़े थे और पिता प्रकाशन व्यवसाय से। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वे साहित्य के समृद्ध विरासत से जुड़े थे। इसी विरासत ने उन्हें सिनेमा जैसी उस समय की आधुनिक विधा की और आकर्षित किया। बंगाली में वर्ष 2018 में "द राइज एंड फॉल ऑफ नाजी जर्मनी" तथा 2019 में "कैओस अंडर हेवन" जैसी किताबों का प्रकाशन करवाकर उन्होंने इसी समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया था।

क्या कोई सोच सकता है कि आज की चकाचौंध भरी कॉरपोरेटी राजनीति में कोई ऐसा भूतपूर्व मुख्यमंत्री भी होगा, जो एक सामान्य मनुष्य की तरह दो कमरों के फ्लैट में गुजारा कर रहा होगा? यदि कोई ऐसा था, तो वे बुद्धदेव भट्टाचार्य थे। यदि वे ऐसा कर सके, तो केवल इसलिए कि वे अपने जीवन को मेहनतकशों के जीवन का ही हिस्सा मानते थे, मेहनतकशों की जीवन संस्कृति ही उनकी संस्कृति थी।

आज जब व्यक्तिगत प्रतिष्ठा के लिए पुरस्कारों की चाहत इतनी तेज हो गई है कि इसे खरीदने और अपने मान-सम्मान को गिरवी रखने की होड़ लगी हो, क्या कोई सोच सकता है कि कोई ऐसा भूतपूर्व मुख्यमंत्री भी होगा, जो पद्मभूषण सम्मान लेने से इंकार कर दें? हां, यदि कोई ऐसा था, तो वे बुद्धदेव भट्टाचार्य थे। उन्होंने बताया कि किस तरह पुरस्कारों को ठुकराकर भी संघी गिरोह की जन विरोधी राजनीति को चुनौती दी जा सकती है। यदि वे ऐसा कर सके, तो केवल इसलिए कि वे अपने गुरु ज्योति बसु के सच्चे शिष्य और उत्तराधिकारी थे और उन्होंने भी पार्टी के निर्णय का पालन करते हुए तब प्रधानमंत्री बनने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को ठुकरा दिया था। यह अलग बात है कि आज भी राजनीति के कई खिलाड़ियों का सुचिंतित मत है कि उस समय यदि ज्योति बसु प्रधानमंत्री बन गए होते, तो आज राजनीति की दिशा कुछ और होती और संघी गिरोह को एक बड़ी ताकत के रूप में उभरने का मौका नहीं मिलता।

पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार, जिसका नेतृत्व माकपा कर रही थी, पूरी दुनिया में सबसे लंबे समय तक चुनावों के जरिए लगातार निर्वाचित होने वाली एकमात्र कम्युनिस्ट सरकार थी, जिसका कार्यकाल 1977 से 2011 तक फैला हुआ था। बुद्धदेव भट्टाचार्य ने इन सरकारों में कैबिनेट मंत्री के रूप में गृह और पर्वतीय मामलों के मंत्रालय, सूचना और संस्कृति और शहर विकास और नगरीय मामलों के मंत्रालय आदि का सफल नेतृत्व करते हुए 1999-2000 के बीच उप मुख्यमंत्री के दायित्व का पालन किया। वर्ष 2001 और 2006 में माकपा ने उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़कर वाम मोर्चा की सरकार गठित की।

बुद्धदेव भट्टाचार्य के सामने आगे की चुनौती आसान नहीं थी, और यह चुनौती थी -- ज्योति बसु के शासन काल में भूमि सुधार के कदमों के जरिए और कृषि के क्षेत्र में अकल्पनीय उपलब्धियों के सहारे आम जनता की क्रय शक्ति में जो वृद्धि हुई थी, आम जनता के अंदर और बेहतर जीवन जीने की जो आकांक्षा पैदा हुई थी, उसे पूरा करना। इसके लिए अब पश्चिम बंगाल का औद्योगीकरण अनिवार्य था। एक कृषि समाज से औद्योगिक समाज में बंगाल को ढालने की चुनौती उनके सामने थी। यह चुनौती उन्होंने स्वीकार की। उनके कार्यकाल में ही राज्य में औद्योगिक विकास और आईटी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां बनाईं गई। 2001 से 2005 तक राज्य में आईटी उद्योग में 70 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। राज्य के औद्योगिक जगत में अभूतपूर्व निजी निवेश हुआ।

लेकिन बंगाल के औद्योगिक पुनरुत्थान का जो सपना बुद्धदेव ने देखा था, वह भूमि अधिग्रहण के बिना पूरा नहीं हो सकता था। यह एक कठिन प्रक्रिया थी, क्योंकि भूमि सुधार के बाद कृषि जगत में जो विकास हुआ था, उसके कारण बंगाल में बंजर और एक-फसली जमीन बहुत कम थी। बुद्धदेव यही चूक गए। सिंगुर में तब के सबसे बेहतरीन अधिग्रहण पैकेज को ग्रामीणों ने स्वीकार नहीं किया और नंदीग्राम में रसायन उद्योग की स्थापना के प्रस्ताव से ग्रामीणों में असंतोष और भड़का। विपक्षी तृणमूल ने इस आग में भरपूर घी डालने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। बुद्धदेव की लोकतांत्रिक उदारता के कारण इस भूमि अधिग्रहण के खिलाफ तृणमूल प्रायोजित आंदोलन और तेज हुआ और जन मानस वामपंथ के खिलाफ हुआ और वर्ष 2011 के विधानसभा चुनाव में वामपंथ को सत्ता से हाथ धोना पड़ा।

पश्चिम बंगाल में अपनी महत्वपूर्ण राजनैतिक भूमिका के कारण वे माकपा के शीर्ष निकाय, पोलित ब्यूरो के सदस्य भी चुने गए थे। वे कुछ वर्षों से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से पीड़ित थे और वर्ष 2015 से लगभग राजनैतिक संन्यासी का जीवन जी रहे थे। लेकिन मार्क्सवाद और माकपा से उनका जुड़ाव आज अंतिम सांस तक बना रहा। कल उनकी इच्छानुसार, उनका देहदान कर दिया जाएगा और उनके शरीर के उपयोगी अंगों का जरूरतमंदों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा। कोई व्यक्ति अपनी मृत देह का इससे बेहतर उपयोग और क्या कर सकता है!

उनके निधन पर इंडिया समूह और एनडीए के नेताओं ने और पक्ष-विपक्ष के अन्य राजनेताओं ने जो भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है, वह राजनैतिक मतभेदों से ऊपर उठकर न केवल उनकी स्वीकार्यता को बताता है, बल्कि इस कठिन समय में मार्क्सवाद और वामपंथ की प्रासंगिकता और उसकी चमक-धमक को भी दशार्ता है।

कॉमरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य को लाल सलाम!

(लेखक छत्तीसगढ़ माकपा के पूर्व सचिव हैं। संपर्क : 94242-31650)

घर में रखना चाहते हैं लकड़ी का मंदिर तो जरूर जान लें वास्तु से जुड़े ये नियम

आपने देखा होगा कि कई घरों में लकड़ी का मंदिर होता है। समय के बदलने के साथ ही घर में लकड़ी का मंदिर रखने का चलन काफी बढ़ गया है। इसकी एक वजह यह भी है कि घरों में स्पेस कम होता है। जिसके कारण लोग घरों में लकड़ी का मंदिर रखना पसंद करते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तु शास्त्र में घर में लकड़ी का मंदिर रखने के जुड़े कई नियमों के बारे में बताया गया है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर में लकड़ी का मंदिर लगाने से जुड़े नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

किस पेड़ की लकड़ियां

अगर आप भी घर पर लकड़ी का मंदिर रखना चाहते हैं, तो आपको इस बात की जानकारी जरूर होनी चाहिए कि लकड़ी का मंदिर किस लकड़ी से बना है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक मंदिर के लिए कुछ लकड़ियां शुभ मानी जाती हैं। यदि इन लकड़ियों से घर का मंदिर बनाया जाता है, तो मंदिर शुभ माना जाता है।

पूर्व-पश्चिम दिशा है शुभ

अगर संभव हो तो घर में लकड़ी का मंदिर पूर्व दिशा की ओर रखना चाहिए। आप जब भी मंदिर में पूजा करें, तो आपका मुंह पूर्व दिशा की तरफ होना चाहिए। वहीं पीठ पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक पूर्व दिशा के अलावा आप उत्तर दिशा की तरफ भी मंदिर रख सकते हैं।

मंदिर में बिछाएं लाल-पीला वस्त्र

अगर आप भी घर में लकड़ी का मंदिर रखना चाहते हैं, तो लकड़ी के मंदिर में लाल या पीला कपड़ा जरूर बिछाएं। इसको शुभ माना जाता है। वहीं भगवान की मूर्ति कपड़ा बिछाकर ही रखना चाहिए।

धूल-मिट्टी और दीमक से बचाएं

वैसे तो मंदिर को साफ ही रखना चाहिए। लेकिन लकड़ी का मंदिर रखने के दौरान ध्यान रखें कि इसमें कहीं धूल-मिट्टी या दीमक न लगे। क्योंकि यह निगेटिव ऊर्जा का कारण बन सकता है। क्योंकि लकड़ी का मंदिर जब पुराना हो जाता है, तो इसमें दीमक लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए समय-समय पर मंदिर की साफ-सफाई करते रहना चाहिए।

दीवार पर न टांगे लकड़ी का मंदिर

कई लोग घर में ज्यादा स्पेस न होने पर लकड़ी के मंदिर को दीवार पर लटका देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र की मानें, तो घर की दीवार पर मंदिर टांगने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार नहीं होता है। इसलिए प्रयास करें कि मंदिर को दीवार पर न टांग कर घर में किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। यदि घर में अधिक स्पेस नहीं है, तो आप छोटा मंदिर भी रख सकते हैं।

13 Oct 2024 M4U:Layout 1 12-Oct-24 11:10 PM Page 3

संक्षिप्त समाचार

मिर्जा मुल्तानी वेलफेयर समिति के तत्वाधान में देश के स्वर्गीय पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम जी के जन्मदिवस पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह व मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है

मीडिया फॉर यू, मुजफ्फरनगर भारतवीर प्रजापति

मुजफ्फरनगर मिर्जा मुल्तानी वेलफेयर समिति के तत्वाधान में स्वर्गीय देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जन्मदिवस 15 अक्टूबर 2024 को जिले की सामाजिक संस्था मिर्जा मुल्तानी वेलफेयर समिति द्वारा रुड़की रोड स्थित एक निजी बैंकट हॉल राजमहल मे देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी के जन्म दिवस पर सम्मान समारोह में मुल्तानी मिलन समारोह का आयोजन होगा जिसमें देश पर प्रदेश में अन्य जिलों से बिरादरी के लोग हिस्सा लेंगे कार्यक्रम मे लगभग 400 से 500 लोग तक पहुंचाने का अनुमान है इस कार्यक्रम में सामाजिक एवं शैक्षिक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा वह मिर्जा मुल्तानी शैक्षिक छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जाएगा

बीमार गाय की उपचार के दौरान हुई मौत, विधि विधान से किया गया अन्तिम संस्कार

मीडिया फॉर यू, अंबेहटा पीर (सहारनपुर)। काजी शाहिद अहमद

कस्बा अंबेहटा पीर में दो दिन से निराश्रित बीमार गाय की उपचार के दौरान मौत हो गई, जिसका पूरे विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

शनिवार को कस्बे के इस्लामनगर रोड स्थित एक खेत में निराश्रित बीमार गाय ने दम तोड दिया। जिसका पूरे विधि विधान से अन्तिम संस्कार कर दिया गया। गौ माता रक्षा मंच के जिला अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बताया की उन्हें दो दिन पूर्व सूचना मिली थी की एक निराश्रित गाय खेत में पड़ी हुई है, सूचना मिलते ही उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो गाय को तेज बुखार था। जिसका दो दिन तक उपचार कराया गया, परंतु उपचार के बावजूद वह बच नहीं पाई, और उपचार के दौरान ही शुक्रवार की रात को गाय की मृत्यु हो गई। पुलिस की देख-रेख में पास के ही एक खेत में जेसीबी की मदद से गड्ढा खुदवा कर गाय का अन्तिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान राजू रुहेला, श्रवण पांचाल, अर्णव गुप्ता, नरेश गोयल, अंकुर कश्यप मौजूद रहे।

तहसील नकुड़ परिसर में प्रदर्शन कर रहे किसानों को एसडीएम द्वारा हटाए जाने के प्रकरण को निजी बता रा0कि0 मजदूर संगठन ने झाड़ा पल्ला

सहारनपुर। काजी शाहिद अहमद

बीते दिनों नकुड़ तहसील क्षेत्र के एक गांव के तालाब पर अवैध कब्जे को हटवाने के लिए नकुड़ तहसील परिसर में दरी बिछाकर व होक्का रखकर प्रदर्शन करने वाले किसानों को नाराज एसडीएम ने हटवा दिया था। उक्त प्रकरण में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने उक्त प्रकरण को निजी बताते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया है। शनिवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के महानगर में मल्हीपुर रोड पर स्थित जिला कार्यालय पर आगामी 26 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आएंगे की रूपरेखा तैयार करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी शेखर चौधरी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा के अलावा, बीते 8 अक्टूबर को नकुड़ तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन डब्ल्यू एफ के किसानों द्वारा किए गए धरना प्रदर्शन को एसडीम संगीता राघव द्वारा हटवाए जाने वाले प्रकरण पर भी चर्चा की गई। तथा उक्त प्रकरण से संगठन को अलग रखने की बात पर सहमति बनी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे शेखर चौधरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की उक्त प्रकरण उनका अपने निजी कार्यों के लिए किए गए धरना प्रदर्शन के बाद हुआ है, एसडीएम संगीता राघव एवं भारतीय किसान यूनियन डब्ल्यू एफ संगठन के बीच चल रहे प्रकरण से राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जो सहयोगी संगठन एमएसपी किसान मोर्चा से संबंधित है। एमएसपी की लड़ाई पूरे भारत के किसानों की लड़ाई है उसमें हम सब साथ हैं। इसके अलावा अगर कोई संगठन अपने निजी कार्य के लिए कोई प्रदर्शन करता है, या थाने आदि में तोड़फोड़ करता है तो ऐसे किसी भी मामले में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन किसी भी किसान संगठन का सहयोगी नहीं है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। बताया की साथ ही बैठक में अनुज कुमार को कार्यकारी युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इस दौरान बैठक में वीरेंद्र कुमार, अमित पँवार, अनुज कुमार, सुखबीर सिंह और मोहम्मद जहीर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तहसील नकुड़ परिसर में प्रदर्शन कर रहे किसानों को एसडीएम द्वारा हटाए जाने के प्रकरण को निजी बता रा0कि0 मजदूर संगठन ने झाड़ा पल्ला

मीडिया फॉर यू

सहारनपुर। काजी शाहिद अहमद

बीते दिनों नकुड़ तहसील क्षेत्र के एक गांव के तालाब पर अवैध कब्जे को हटवाने के लिए नकुड़ तहसील परिसर में दरी बिछाकर व होक्का रखकर प्रदर्शन करने वाले किसानों को नाराज एसडीएम ने हटवा दिया था। उक्त प्रकरण में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने उक्त प्रकरण को निजी बताते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया है। शुक्रवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के महानगर में मल्हीपुर रोड पर स्थित जिला कार्यालय पर आगामी 26 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आएंगे की रूपरेखा तैयार करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी शेखर चौधरी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा के अलावा, बीते 8 अक्टूबर को नकुड़ तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन डब्ल्यू एफ के किसानों द्वारा किए गए धरना प्रदर्शन को एसडीम संगीता राघव द्वारा हटवाए जाने वाले प्रकरण पर भी चर्चा की गई। तथा उक्त प्रकरण से संगठन को अलग रखने की बात पर सहमति बनी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे शेखर चौधरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की उक्त प्रकरण उनका अपने निजी कार्यों के लिए किए गए धरना प्रदर्शन के बाद हुआ है, एसडीएम संगीता राघव एवं भारतीय किसान यूनियन डब्ल्यू एफ संगठन के बीच चल रहे प्रकरण से राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जो सहयोगी संगठन एमएसपी किसान मोर्चा से संबंधित है। एमएसपी की लड़ाई पूरे भारत के किसानों की लड़ाई है उसमें हम सब साथ हैं। इसके अलावा अगर कोई संगठन अपने निजी कार्य के लिए कोई प्रदर्शन करता है, या थाने आदि में तोड़फोड़ करता है तो ऐसे किसी भी मामले में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन किसी भी किसान संगठन का सहयोगी नहीं है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। बताया की साथ ही बैठक में अनुज कुमार को कार्यकारी युवा जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इस दौरान बैठक में वीरेंद्र कुमार, अमित पँवार, अनुज कुमार, सुखबीर सिंह और मोहम्मद जहीर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धू-धू कर जला रावण, बुराई पर हुई अच्छाई की जीत

डिलारी। क्षेत्र के कस्बा डिलारी व जटपुरा में रामलीला कमेटी एंव मेला कमेटी के तत्वावधान में मेला स्थल पर धु-धुकर रावण का पुतला जला। अन्याय पर हुई न्याय की जीत का पर्व विजयदशमी को उत्साह और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। लोगों ने बुराई के प्रतीक रावण के पुतले को दहन किया। सामाजिक बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लिया। धार्मिक परम्पराओं के बीच नगर में पुतला दहन किए गए। सत्य के प्रतीक भगवान राम ने अहंकारी रावण के पुतले पर अग्नि बाण चलाया वैसे ही रावण के पुतले आतिशबाजी के धूमधड़ाके के साथ धू-धू करके जल उठे। अहंकार और अधर्म के प्रतीक रावण का पुतले का जब दहन किया गया तो दशहरा मैदान श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। डिलारी के दशहरे मेले में डांस कर रही बालाओं का लोगों ने लुत्फ उठाया। वहीं मेले में इस बार मिट्टी से बने घड़े, कुल्हड़, दिये वर्तनो की लोगों ने जमकर खरीदारी की। बच्चों ने मेले में लगे झूलों से मौज मस्ती की। सुरक्षा के लिए पुलिस मुस्तैद रही। दशहरा मेला देखने हजारों की तादाद में लोग बाजार की दुकानों की छतों पर मौजूद रहे। इस मौके पर कमेटी के सदस्य और थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) व पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा किया गया रावण पुतला दहन स्थल का निरीक्षण

मीडिया फॉर यू

मुजफ्फरनगर भारतवीर प्रजापति

मुजफ्फरनगर दशहरा पर्व को जनपद में सकुशल सम्पन्न कराने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आज दिनांक 12.10.2024 को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) नरेन्द्र बहादुर सिंह व पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत द्वारा द्वारा नुमाईश ग्राउण्ड स्थित रावण पुतला दहन स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महोदय द्वारा रावण पुतला दहन हेतु की गयी तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर आयोजकों से वार्ता करते हुए प्रकाश की उचित व्यवस्था रखने, पार्किंग व्यवस्था तथा आयोजन स्थल पर जनता के आने-जाने हेतु सुचारु यातायात व्यवस्था बनाये रखने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निदेर्शों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही महोदय द्वारा सुरक्षा व्यवस्था हेतु बनाए गए ड्यूटी प्वाइंट्स, बैरिकेडिंग को चेक करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने, जनता को पुतले के आसपास न जाने देने सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा दमकल विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु अग्निशमन यंत्र एवं गाड़ी सहित आयोजन स्थल पर तैयार अवस्था में रहने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा भी अपने-अपने सर्किल में रावण पुतला दहन स्थलों का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निदेर्शों से सम्बन्धित को अवगत कराया गया।

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के मंच से लगे "हिंदू मुस्लिम सिख इसाई आपस मे भाई भाई के नारे"

मीडिया फॉर यू

मुजफ्फरनगर भारतवीर प्रजापति

मुजफ्फरनगर थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नियाजीपुरा स्थित एक निजी बैंकट हॉल में भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान कार्यक्रम में हाजी इंतजार अंसारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम के द्वारा संयुक्त मोर्चा में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता वह क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। बता दे कि मंच पर ऐसा नजारा देखने को मिला जो भारत के आपसी सौहार्द और भाईचारा का संदेश दे गया। मंच पर हिंदू मुस्लिम सिख इसाई को सार्थक करती हुई एक तस्वीर नजर आई जिसको लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम ने कहा कि आज मेरा सपना पूरा हो गया है क्योंकि भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के इस कार्यक्रम में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई आपस में है भाई-भाई ऐसे नारे लगे और तस्वीर भी ऐसी बनी की सभी ने एक आवाज में नारे लगाए। वहीं भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के नवनियुक्त अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष इंतजार अंसारी ने कहा कि मैं भारतीय किसान यूनियन मजदूर संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम के हाथों को मजबूत करने का काम करूंगा और संगठन की नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा।दिल्ली से अपनी टीम के साथ चलकर आए अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीऐस बिंद्रा जी ने अपने संबोधन में कहा की भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा किसान और मजदूर की मजबूत आवाज है इसके लिए हम तन मन धन से राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी मोहम्मद सलाम जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे और कश्मीर से कन्याकुमारी तक संगठन को मजबूत करेंगे वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता सोनू चौधरी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहां की भारत सरकार 125 करोड लोगों का वोट लेकर सिर्फ उद्योगपतियों के लिए कार्य कर रही है मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष नरेश चौधरी ने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को एकता का पाठ पढ़ाया और संगठन की ताकत से अवगत कराया और पूर्ण रूप से आश्वासन दिया जनपद की किसी भी भाई की कोई भी जाईज समस्या होगी उसका समाधान तत्काल प्रभाव से कराया जाएगा कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम का कार्यकताओं और पदाधिकारी ने भव्य स्वागत किया राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम ने स्वागत करने पर सभी का आभार व्यक्त किया और उन्होंने कहा कि इंतजार अंसारी को प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है और हम आशा करता है कि वह अपने कर्तव्य का निर्वहन किसानों और मजदूरों के हक में करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज हमें बहुत खुशी हो रही है बहुत ही कम समय में हमारे संगठन का 8 से 9 राज्यों में विस्तार हो चुका है। और आगे भी इसी तरह संगठन को बढ़ाने का काम मोर्चा के पदाधिकारी करेंगे।इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री सलिम त्यागी राष्ट्रीय महामंत्री मोमिन सैफी राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र सोनू मुखिया राष्ट्रीय सचिव बिलाल आढति युवा राष्ट्रीय महासचिव इंतजार राणा दिल्ली प्रदेश प्रभारी जगदीश गौतम दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष नीलम राजकुमार प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी शादाब अल्पसंख्यक पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष जफरयाब अली अल्पसंख्या मंडल अध्यक्ष इसराईल चौधरी अल्पसंख्या के जिला अध्यक्ष शहजाद खान जनपद मुजफ्फरनगर के सभी तहसील अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष नगर अध्यक्ष ग्राम अध्यक्ष व समस्त टीम के साथी उपस्थित रहें जय जवान जय किसान

शास्त्रों के साथ-साथ शस्त्रो का ज्ञान भी हिंदू नवयुवकों व युवतियों को होना अति आवश्यक है लोकेश सैनी

मीडिया फॉर यू

मुजफ्फरनगर भारतवीर प्रजापति

मुजफ्फरनगर विजयदशमी के पावन अवसर पर शिवसेना नेता मनोज सैनी के आह्वान पर शिवसेना के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी रुड़की रोड स्थित शिव मंदिर पाल धर्मशाला में एकत्रित हुए जहां उन्होंने प्रभु श्री राम की प्रतिमा पर तिलक कर एवं पुष्प चढ़कर व दीप प्रचलित कर श्रीमद् भागवत गीता व शस्त्रों का किया पूजन प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा व मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने त्रिशूल व तलवारों पर तिलक चंदन लगाकर एवं कलावा बांधकर किया कार्यक्रम को सुचारू रूप से शुरू किया इसके उपरांत मंडल महासचिव राजेश कश्यप व जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने संयुक्त रूप से अपना वक्तव्य रखते हुए कहा की शिव शक्ति का जाप करेंगे अपनी रक्षा आपने करेंगे यह एक उद्घोष नहीं हम सनातन धर्म के अनुयायियों को अपनाना पड़ेगा क्योंकि ज्यादातर हिंदुओं की मानसिकता ऐसी हो गई है कि वे अपनी रक्षा स्वयं न कर सरकार के भरोसे बैठे हैं जबकि इतिहास गवाह है कि जब-जब सनातन धर्म पर विपत्ति आई है आसुरी शक्तियों का विनाश करने के लिए अपने आप शस्त्र उठाकर शत्रुओं का विनाश किया गया है मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने सभी सनातनी हिंदू वीरो वे मातृशक्ति से निवेदन करते हुए कहा कि शास्त्रों की रक्षा के लिए शस्त्र जरूरी है इसीलिए एक रोटी कम खा लो लेकिन शास्त्रों के साथ-साथ घर में शस्त्र भी अनिवार्य होना चाहिए/ इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहेः- मंडल उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सैनी जिला मीडिया प्रभारी बसंत कश्यप जिला उपाध्यक्ष गौतम कुमार प्रदीप कोरी मोनू चौधरी रविंदर सैनी नगर अध्यक्ष आशीष शर्मा शालिनी शर्मा अनीता चौधरी नगर उपाध्यक्ष गोपी वर्मा युवा नगर महासचिव विशाल सिंघल नगर उपाध्यक्ष दीपक वर्मा शुभम जोशी डॉक्टर सचिन कुमार राजू कुमार सूरज मिश्रा सोनू पाल सुनील कुमार प्रवेश कुमार सतीश वर्मा सूरज कश्यप मांगेराम हरि सैनी अनिल शर्मा भारत खोखर रोहित सैनी प्रदीप कुमार अनिल शर्मा हरीश सैनी कुणाल गर्ग भारत राजपूत वंश कुमार रवि कुमार दीपांशु कुमार आदि

डॉ राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

>> डॉ लोहिया के विचार सँघर्ष से सपा कार्यकर्ता लेते है प्रेरणा: जिया चौधरी

मीडिया फॉर यू

मुजफ्फरनगर भारतवीर प्रजापति

मुजफ्फरनगर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर स्वतंत्रता सेनानी व समाजवादी विचारधारा के पुरोधा डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उनको पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी में समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने कहा कि देश की आजादी में उनके द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के विरुद्ध भूमिगत आंदोलन का नेतृत्व किया गया तथा देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद आजाद भारत में देश की प्रमुख समस्याओं तथा जनता के हित के लिए समाजवादी विचारधारा के साथ अनेक आंदोलन छेड़ कर जन आंदोलन के नायक कहलाए।

समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह भाटी जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन जिला महासचिव समाजवादी मजदूर सभा रामपाल सिंह पाल ने विचार व्यक्त करते हुए डॉ राम मनोहर लोहिया के विचार और संघर्ष से समाजवादी पार्टी कार्यकताओं को प्रेरणा लेने की अपील की समाजवादी पार्टी सभासद सलीम, समाजवादी मजदूर सभा प्रदेश सचिव हनीफ इदरीसी समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष भोकरहेड़ी डॉ अली शेर अंसारी समाजवादी पार्टी सोशल मीडिया इंचार्ज नावेद रंगरेज, मौलाना मौ० साजिद, राशिद जैदी, मीर हसन,भोला कश्यप, चौधरी फरमान अली, जुनेद आलम सहित अनेक कार्यकर्ताओ द्वारा डॉ राममनोहर लोहिया को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

13 Oct 2024 M4U:Layout 1 12-Oct-24 11:10 PM Page 4

संक्षिप्त समाचार

राम रावण के बीच भीषण युद्ध में असत्य की हुई पराजय सत्य को मिली जीत

मीडिया फॉर यू, बाराबंकी संवाददाता अशरफ अली

बाराबंकी जहांगीराबाद कस्बे में 10 दिवसीय रामलीला कार्यक्रम के दौरान आज विजय दसमी के दिन राम रावण सेना के बीच में भीषण युद्ध हुआ जिसमें राम की सेना ने रावण की सेना को मार गिराया वही राम और रावण का युद्ध हुआ जिसमें दशानंद रावण को राम ने मार दिया इस कार्यक्रम में लगभग 40 फीट के रावण का पुतला भी बनाया गया था जो धू धू कर जलने लगा वही राम के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और विजय पताका लहराया गया दशानंद की सोने की लंका का विनाश हो गया और कस्बे में विजय रथ निकाला जा रहा है जहां रावण का वंश नाश हुआ वही राम नाम के जयकारों से गूंज उठा पूरा वातावरण

राज्य व आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र ने काशी में दशमी को डेकोर बनारस शोरूम का किया भव्य उद्घाटन

मीडिया फॉर यू

आपके सपनों के घर को सजाएगा डेकोर बनारस वाराणसी मडुवाडीह स्थित मंघौली मढौली रोड पर डेकोर बनारस नामक शोरूम का आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र जी द्वारा फीता काटकर तथा गणेश लक्ष्मी जी की पूजा के साथ भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयालु गुरु ने कहां की शोरूम काफी बड़ा तथा विभिन्न प्रकार की टाइल्स और सेनेटरी है इस क्षेत्र में इतना बड़ा शोरूम की नितांत आवश्यकता थी इसके होने से जनमानस को काफी सुविधा होगी शोरूम के प्रोपराइटर आनंद तिवारी ने कहा की ये मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट था हालांकि पहले से ही अपना एक शोरूम इसी रोड पे वाइटहाउस संचालित करता आ रहा हूं परंतु मैं नही चाहता था की हमारे यहां से कोई भी कस्टमर असंतुष्ट होकर जाए। इसलिए मैने यहां पर बहुत सारी चीजे नई लाई है जैसे टाइल्स की विस्तृत श्रृंखला, सैनिटरी, मॉड्यूलर किचेंस तथा विभिन्न उपकरण जिससे यदि कोई व्यक्ति अपना सपनो का घर बनाना चाहता है तो एक जगह पर ही सारी सुविधाएं उपलब्ध हो जाए कार्यक्रम में आए अन्य अतिथिजन, श्री श्यामलाल सिंह, करुणेश शर्मा, अनंत मिश्र,श्रीराम द्विवेदी, शैलेंद्र शुक्ला ने भूरी भूरी प्रसंशा की परिवार से माता पिता राम सुदिष्ट तिवारी तथा पूनम तिवारी द्वारा लक्ष्मी गणेश पूजन कर आरंभ किया गया तथा अन्य परिवारजन निधि मालवीय, मनीष मालवीय, प्रज्ञा चौबे, एकेन्द्र चौबे, शिवांश व अन्य उपस्थित रहे।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य द्वारा कलर्स चैनल के बिग बॉस शो में जाने पर कान्हा की नगरी में हुआ हंगामा

मीडिया फॉर यू, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: वृंदावन बिग बॉस में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे धर्म प्रचारक अनिरुद्धाचार्य का धार्मिक नगरी में विरोध शुरू हो गया है हिंदूवादी संगठनों के कार्यकताओं ने शुक्रवार को इसे सनातन संस्कृति का अपमान बताते हुए कथा प्रवक्ता का प्रतिकात्मक पुतला दहन भी किया। आक्रोशित कार्यकताओं ने कोतवाली में लिखित तहरीर भी दी है। यहां बताते चलें कि धार्मिक नगरी के धर्म प्रचारक अनिरुद्धाचार्य बीते दिनों सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले रियलिटी शो बिग बॉस में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इसके बाद कुछ संगठनों ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। इसी क्रम में शुक्रवार को हिंदूवादी संगठनों ने गोविंद देव मंदिर मार्ग पर कथा प्रवक्ता का प्रतिकात्मक पुतला दहन किया। पुतला दहन के बाद आक्रोशित लोगों ने कोतवाली पहुंचकर धर्म प्रचारक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने को लिखित तहरीर भी दी है।

दक्षिण भारतीय शैली के श्री रंगनाथ मन्दिर में विजयदशमी पर्व पर शास्त्रोक्त विधि से परंपरानुसार मनाया गया

मीडिया फॉर यू, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: विजय दशमी पर्व पर भगवान रंगनाथ की सवारी प्रातः निज मन्दिर से बड़े बगीचा पालकी में विराजमान हो कर पहुंची । जहां भगवान की आरती उतारी गई और प्रसाद लगाया गया। शाम को गौधुली बेला में बड़े बगीचा स्थित मण्डप से भगवान स्वर्ण अश्व पर विराजमान होकर हाथ मे भाला ,धनुष तलवार आदि शस्त्र धारण कर शमी वृक्ष के समीप पहुंचे। जहां मन्दिर के स्वामी रघुनाथ जी के नेतृत्व में मंदिर के पुरोहित विजय मिश्र के आचार्यत्व में शमी (छौंकर) वृक्ष का पूजन वैदिक मंत्रोचारण के मध्य पूरे विधि विधान से किया गया। मन्दिर के सेवायत रघुनाथ स्वामी ने बताया कि मान्यता है कि पांडव जब वन गए तब अपने अस्त्र शस्त्र शमी के वृक्ष पर ही रखकर गए थे। अज्ञातवास की समाप्ति पर जब वह वापस आये तो पहले उन्होंने शमी वृक्ष का पूजन किया और फिर दसों दिशाओं में शस्त्र चलाकर परीक्षण किया था। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भगवान रंगनाथ की सवारी निज मन्दिर से बड़े बगीचा आती है और सांयबेला में शमी वृक्ष का पूजन कर पुनः मंदिर परिसर पहुंचती है। इस अवसर पर मंदिर पुरोहित विजय मिश्र,रंगा स्वामी,राजू स्वामी,तिरुपति राव, आदि मौजूद रहे।

जंगली जानवर ने मुर्गी फार्म मे किया हमला लोगो मे दहसत का माहौल

मीडिया फॉर यू, जितेंद्र शर्मा

मथुरा: जनपद के रिफाइनरी क्षेत्र के बरारी गाँब मे रहने वाले अहेरिया समुदाय के लोगो मे उस समय हड़कंप मच गया जब उनके डेरे मे बने मुर्गी फार्म मे दो दर्जन से अधिक मुर्गा मुर्गी व कबूतर मरे हुए आधे आधे छतबिछत मिले व फार्म के अंदर किसी शेर चीता तेदुआ या अन्य जानबर के पंजे के निशान मिले बही जानवर लोहे की जाली को तोड़कर अंदर घुसा डेरो मे रह रहे करीब 80,90 लोगो ने बताया की हम सभी लोग रात को सो रहे थे तब ये हादसा हुआ है हमारे छोटे छोटे बच्चे है उनके साथ भी कोई होनी अनहोनी हो सकती थी पहले हमारे दो पालतू कुत्ते भी इसी हालत मे छतबिछत मिले थे पर हमने ध्यान नहीं दिया डेरे के पास के किसान बरारी निवासी अनिल शर्मा ने बताया के घटना से तीन दिन पहले मे अपने खेत पर सो रहा था तो पक्षी बहुत तेज आवाज कर रहे तो मेने जाकर देखा की कोई जानवर पेड़ के नीचे पानी पी रहा है मेने उसे बंदर समझा जब वो जाने लगा तो मुझे पता चला की वो शेर या शेर जैसा बड़ा जानवर है मे बहा से जान बचाकर भगा बही डेरा वासी अहेरिया समुदाय के चैनसिंह ने डाइल 112को सूचना दी व थाने रिफाइनरी मे तहरीर दी है वही थाना पुलिस व वनविभाग की टीम ने घटना स्थल पर पहुंच मौका मुआईना किया वही डेरो मे रहने वाले अहेरिया समुदाय व किसानो मे डर का माहौल बना हुआ है

महाराणा प्रताप सेवा सदन पर क्षत्रियों ने किया शस्त्र पूजन

क्षत्रियों के लिए शस्त्र और शास्त्र दोनों जरूरी: बलरामदास बाबा

मीडिया फॉर यू

चौमुहां जैंत शस्त्र पूजन के दौरान निमार्णाधीन महाराणा प्रताप सेवा सदन पर उपस्थित विधायक मेघश्याम सिंह, यशवीर राघव, बलरामदास बाबा व अन्य शेरगढ़ रोड स्थित निमार्णाधीन महाराणा प्रताप सेवा सदन पर विजय दशमी के उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन किया गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के नेतृत्व में सैकड़ों क्षत्रिय शस्त्र पूजन करने के लिए एकत्रित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मेघश्याम सिंह, बलरामदास बाबा, कौशल किशोर महाराज उपस्थित रहे।इसके साथ महाराणा प्रताप सेवा सदन के निर्माण के लिए रूप रेखा तैयार की गई। बलराम दास बाबा ने कहा कि क्षत्रियों को शास्त्र और शस्त्र दोनों का ज्ञान होना चाहिए। धर्म रक्षा के लिए क्षत्रियों को शस्त्र और शास्त्र दोनों उठाने चाहिए। विधायक मेघश्याम सिंह ने कहा कि शस्त्र क्षत्रियों के आभूषण हैं। कौशल किशोर महाराज ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में विजय की कामना के साथ चंद्रिका का स्मरण करते हुए शस्त्रों का पूजन करना चाहिए। विजयादशमी के शुभ अवसर पर शक्तिरूपा दुर्गा, काली की आराधना के साथ-साथ शस्त्र पूजा की परंपरा है। यशवीर राघव ने कहा कि विजय दशमी विजय का पर्व है।क्षत्रियों को शस्त्र पूजन कर अपने शौर्य का बखान करना चाहिए क्षत्रियों ने ही धर्म की रक्षा की है शस्त्र पूजन के साथ महाराणा प्रताप सेवा सदन के निर्माण के लिए रूप रेखा तैयार की गई। दानदाताओं ने अपने दान देने की बात कही। इस मौके पर सुजान सिंह, सियाराम प्रधान, राजा भोज, कन्हैया ठाकुर, हिरेन्द्र सिंह, हेमराज सिंह, संजीव सिंह, नवल सिंह, प्रवीण ठाकुर, तेजवीर सिंह, ओमवीर राघव, हरेंद्र तरकर, धीरज पचौरी, सोनू ठाकुर, चेतन राघव, आकाश वैष्णव आदि उपस्थित रहे।

कारी सैफुर रहमान की कब्र खोदकर गर्दन काट कर ले जाने वाले 2 गिरफ्तार

मीडिया फॉर यू, बिजनौर: अतीक अहमद

चांदपुर जिला बिजनौर के झालू खारी से सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मरहूम कारी सैफुर रहमान की कब्र को खोदकर कब्र से मृतक के शरीर से सिर ले जाने वाले कसीमुद्दीन व रामवीर गिरफ्तार पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से घटना में प्रमुख फावड़ा व लोहे की आरी भी बरामद की गई है ग्राम खारी निवासी कारी सैफुर रहमान का 25 जुलाई को इंतकाल हो गया था जिन्हें गांव के ही कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया था तथा 23 सितंबर को मरहूम कारी सैफुर रहमान की कब्र को खुर्द बुर्द कर उनके मृतक शरीर से सिर गायब मिला था तथा उनकी कब्र के पास से तंत्र-मंत्र का सामान भी मिला था जैसे ही यह खबर गांव के लोगों को पता चली तो गांव में आग की तरह खबर फैल गई थी सूचना मिलने पर तुरंत ही एसपी सिटी व सीओ सिटी भी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे वहीं मरहूम कारी सैफुर रहमान के पुत्र मोहम्मद फैजान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था पुलिस द्वारा कसीमुद्दीन पुत्र हसीनुद्दीन निवासी ग्राम खारी थाना हल्दौर व रामवीर पुत्र प्रीतम सिंह निवासी फिरोजपुर उग्रसेन उर्फ भोजीपुर थाना कोतवाली शहर को गिरफ्तार किया गया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रमुख फावड़ा व लोहे की आरी भी बरामद की है पुलिस द्वारा पूछ ताछ पर दोनों आरोपियों ने बताया कि हम दोनों साथ मिलकर तंत्र-मंत्र की क्रिया करते हैं एवं सट्टे का नंबर भी लगाते हैं कुछ समय से हम अपनी क्रिया में सफल नहीं हो रहे थे हमने सोचा कि करी सैफुर रहमान जो की काफी अच्छे छवि के व्यक्ति थे अगर उनकी गर्दन से तंत्र-मंत्र कर सट्टे की क्रिया की जाए तो हमारी सट्टे की क्रिया सिद्ध हो सकती है इस लिए हम दोनों ने 22 23 सितंबर की रात्रि में ग्राम खारी के कब्रिस्तान से मृतक कारी सैफुर रहमान की कब्र को खोदकर तंत्र-मंत्र कर सट्टे की क्रिया करने के लिए उनकी गर्दन कब्र से निकाल ली थी सूत्रों के अनुसार आरोपी कसीमुद्दीन ने बताया कि कारी सैफुर रहमान की गर्दन मेरे पास थी और इस घटना से समाज में काफी आक्रोश हो गया था जिस कारण मैं घबरा गया था और पुलिस से बचने के लिए 27 सितंबर को दिल्ली निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से बोम्बे चला गया था मैंने बोम्बे पहुंच कर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से कारी सैफुर रहमान की गर्दन समुद्र में फेंक दी थी

लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से पूजा का अधिकार मांगा

मीडिया फॉर यू

हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने लखनऊ पहुंचकर पत्र के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से नौझील स्थित दुर्गा मां मंदिर में पूजा अर्चना करने की गुहार लगाई दिनेश शर्मा ने कहा कि संपूर्ण मंदिर परिसर का एक भी हिस्से मैं यदि इस्लामिक पद्धति में निर्माण हो या दिखे तो वह अपना दावा छोड़ देंगे, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , पुरातत्व सर्वे , करने को विभाग को आदेशित करें यदि संपूर्ण परिसर में मंदिर एवं मूर्तियों के अवशेष ना मिले तो वह हर सजा भुगतने को तैयार मां भगवती दुर्गा, को जगत जननी कहा जाता है, नवरात्रि उनका विशेष पर्व होता है हमें अनुमति मिलनी चाहिए थी हम दुखी मन से लखनऊ में राजनेताओं से गुहार लगाने आए हैं मां दुर्गा का जो मंदिर है वह बताते हैं की भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण की बहन भी हैं, ऐसा ज्ञात हुआ है करोड़ों करोड़ों लोगों की आस्था को देखते हुए ,मंदिर हमें मिलना चाहिए, उनके साथ आध्यात्मिक गुरु स्वामी ज्ञान सागर महाराज मौजूद रहे उन्होंने कहा कि हम माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलने का प्रयास कर रहे हैं माननीय मुख्यमंत्री जी को हमारी बात सुननी पड़ेगी, हम उनसे न्याय की गुहार करते हैं आशा है वह हमारी बात अवश्य सुनेंगे क्योंकि आज भारतवर्ष में हिंदुत्व के वह प्रमुख चेहरा है

कन्या पूजन के साथ संपन्न हुआ दस दिवसीय शतचन्डी महायज्ञ

मीडिया फॉर यू, जितेंद्र शर्मा

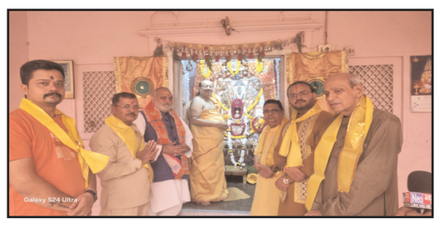

मथुरा: वृन्दावन गोपीनाथ बाजार स्थित श्रीकृष्ण काली पीठ में शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में चल रहे दस दिवसीय शतचंडी महायज्ञ की पूणार्हुति श्रीकृष्ण काली पीठाधीश्वर डॉ. केशवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य सम्पन्न हुई।जिसमें सैकड़ों वैदज्ञ विप्रों एवं भक्तों व श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य अत्यंत विधि विधान से अपनी आहुतियां दीं साथ ही सैकड़ों कन्याओं-लांगुराओं का पूजन-अर्चन करके उन्हें भोजन प्रसाद ग्रहण करा कर उपहार वितरित किए गए। श्रीकृष्ण काली पीठाधीश्वर डॉ. केशवाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण काली पीठ वृन्दावन का अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल है यहां प्रतिवर्ष दोनों नवरात्रों में विश्वकल्याणार्थ शतचंडी महायज्ञ आयोजित किया जाता है।जिसमें दूर-दराज के असंख्य भक्त श्रद्धालु अत्यंत श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हैं प्रख्यात साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं प्रमुख समाजसेवी पण्डित राधाकृष्ण पाठक ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन में कृष्णोपासना के अलावा मां दुर्गा की उपासना भी अत्यंत श्रद्धा के साथ की जाती है।इसका प्रमाण यहां आने भक्तों व श्रद्धालुओं की असंख्य संख्या स्वयं प्रगट करती है। उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग एवं मथुरा-वृंदावन से विधायक श्रीकान्त शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण काली पीठ श्रीधाम वृन्दावन का गौरव है।यह स्थान ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व का है।इस स्थान से तमाम प्रख्यात संत, धमार्चार्य व राजनेता जुड़े हैं।जिनकी इस स्थान के प्रति अपार आस्था है महोत्सव में यूपी रत्न गोविन्द चित्रकार, प्रमुख समाजसेवी शैलेन्द्र अग्रवाल, प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी, आदित्य आचार्य, संगीताचार्य राधाकांत शर्मा, पूर्व प्राचार्य डॉ. विनोद बनर्जी, वरिष्ठ पत्रकार सी.पी. सिंह सिकरवार, डॉ. अनुभव शुक्ला, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, युवराज वेदांताचार्य, बिहारीलाल अग्रवाल, लूडोजी (आरके स्टूडियो), प्रेमेंद्र मोहन गोस्वाई, पार्षद वैभव अग्रवाल, पार्षद पंकज अरोड़ा, भीमसेन अग्रवाल, आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति विशेष रही।

बिरला ओपस पेंट्स ने अपना नया कैम्पेन नए जमाने का नया पेंट लॉन्च किया

मीडिया फॉर यू

वाराणसी: इस साल डेकोरेटिव पेंट्स के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद आदित्य बिरला समूह की ग्रासिम इंडस्ट्रीज के अंतर्गत, बिरला ओपस पेंट्स ने अपना नया कैम्पेन नए जमाने का नया पेंट लॉन्च किया है। लियो बर्नेट इंडिया द्वारा परिकल्पित, इस फिल्म में भारत के दो सबसे पसंदीदा कलाकार-विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हैं जो ब्रांड एंबेसडर के रूप में नीना गुप्ता और सौरभ शुक्ला जैसे अनुभवी और बहुमुखी अभिनेताओं के साथ इस ब्रांड की अनूठी और विशिष्ट विशेषताओं और गुणवत्ता के बारे में बात कर रहे हैं। इस अद्वितीय विचार, लोकप्रिय कलाकारों और सशक्त अवधारणा का उद्देश्य बिरला ओपस पेंट्स को नए व डिजायरेबल पेंट के रूप में स्थापित करना है।

इस अभियान के बारे में रक्षित हरगवे, सीईओ, बिरला ओपस पेंट्स ने कहा इन त्योहारों पर पेश किए गए हमारे नए कैम्पेन नए जमाने का नया पेंट के साथ हम अपने उत्पाद की परफॉर्मेंस के बारे में बता रहे हैं। इसमें सौरभ शुक्ला और नीना गुप्ता जैसे अनुभवी दिग्गजों के साथ विकी कौशल और रश्मिका मंदाना जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन हमारे ग्राहकों को बहुत पसंद आएगा, जो हमारे इनोवेटिव और प्रेरणादायक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। बॉलिवुड सुपरस्टार, विकी कौशल ने कहा मैं बिरला ओपस परिवार का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ और ग्राहकों के जीवन में रंग और उत्साह भरने के लिए आशान्वित हूँ। इन फिल्मों ने इस कैम्पेन में रचनात्मकता के साथ जान फूंक दी है और इसे खास बना दिया है। मुझे इस एड में अनुभवी कलाकार सौरभ शुक्ला के साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आया, जिनकी आशुरचना देखने लायक थी। पैन इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना ने कहा, ह्यह्यमेरा मानना है कि हर किसी को बदलते वक्त के साथ ढ़लते रहना चाहिए। बिरला ओपस पेंट्स का नया कैम्पेन मेरे इस विश्वास को प्रदर्शित करता है कि हमें तथ्यों के आधार पर चयन करना चाहिए, न कि सामान्य अभ्यास को देखकर। मुझे बिरला ओपस के एम्बेसडर के रूप में उनके साथ काम करने की खुशी है। नीना जी के साथ यह एड शूट करने का अनुभव बहुत अच्छा था। मैं बिरला ओपस के साथ एक बेहतरीन संबंध के लिए उत्साहित हूँ

समाज का आवहान करता है कि अपनी परम्पराओं का पालन करते हुए अपने-अपने घरों में शस्त्र रखें व दूसरों को भी शस्त्र-पुजन के लिए प्रेरित करें

मीडिया फॉर यू

विधिवत पुजन में अर्न्तराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के क्षेत्रिय महामंत्री श्री धनन्जय सिंह, प्रान्तिय महामंत्री तरूण शुक्ला व प्रान्त संगठन महामंत्री श्री संजय दूबे जी श्री अशोक सिंह (राष्ट्रीय छात्र परिषद के प्रान्त महामंत्री) विशेष अतिथि के रूप में रहें व पुजन व यात्रा का संचालन श्रवण कुमार मौर्य व हरिनाथ सिंह जी ने व धन्यवाद ज्ञापन अर्जुन कुमार मौर्य महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल काशी प्रान्त ने किया। पुजन व यात्रा में प्रमुख रूप से सम्मिलित शैलेन्द्र सिंह जी उपाध्यक्ष, अरविन्द लाल शर्मा, अनुप कुमार सिंह, विकास निगम, जयदीप गुप्ता, आर्यन विश्वकर्मा, रोहित राव, अनुप सेठ, अंकित सेठ, अजय मौर्य, अमित पटेल, सुनील बेनवंशी, रजनीश देववंशी, अनमोल श्रीवास्तव, करन जयसवाल, लव शर्मा, मल्लू राजभर, प्रेम पाण्डेय, राकेश सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, काशी सहित सैकड़ों की संख्या में संगठन के कार्यकर्ता व क्षेत्रीय लोग सम्मिलित रहें ।

जहांगीराबाद पुलिस ने मॉर्फिन तस्कर को गया गिरफ्तार 300 ग्राम अवैध मार्फीन बरामद

मीडिया फॉर यू
बाराबंकी: अशरफ अली

बाराबंकी जहांगीराबाद पुलिस ने सदरुद्दीनपुर कस्बे के चंदन ढाबे के पास से एक हिस्ट्री सीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार बदमाश के पास से 300 ग्राम अवैध मार्फीन बरामद हुई है पुलिस ने बताया की सदरुद्दीनपुर कस्बे के पास से आज हाशिम उर्फ पिंडा को गिरफ्तार किया गया है पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह पहले गोकसी का कार्य किया करता था लेकिन कई मुकदमों के बाद अब वह इस कार्य से दूर हो गया लेकिन उसके पास जब कोई दूसरा कार्य नहीं हुआ तो उसने मार्फिन तस्करी का रास्ता अपना लिया पुलिस ने जिसे देर रात चंदन ढाबे के पास से गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी ने बताया इस बात की जानकारी फोन के माध्यम सी ओ सिटी सुमित त्रिपाठी को दी गई इसके बाद मौके पर पहुंचे क्षेत्र अधिकारी सुमित त्रिपाठी द्वारा उसकी गहनता से पूछताछ की गई क्षेत्राधिकार की मौजूदगी में पुलिसकर्मियों ने उक्त व्यक्ति की तलाशी ली और उसकी पेंट से 260 रुपए बरामद किए पुलिस ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी की सूचना उसकी पत्नी जैनब के मोबाइल नंबर पर दी गई थी थाना प्रभारी गीता द्विवेदी ने बताया कि आरोपी युवक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है अभियुक्त पर पहले से कई मुकदमा पंजीकृत हैं और हिस्ट्री सीटर अपराधी है न्यायालय के समक्ष पेश करके जेल भेजा जा रहा है

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, नीरज कुमार गुप्ता ने मैं0 मोनेक्स ऑफसेट एस डी कांप्लैक्स निकट एमएमजी अस्पताल जी टी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर बी 10/6 उमेश पार्क, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा। मोबाइल नं. 9870629696 संपादक नीरज कुमार गुप्ता